विषय-सूची।

नं०	नाम	पृष्ठ	नं०	नाम	पृष्ठ
१,	मंगलाचरण ...	१	१८,	ग्यारह रुद्र ...	८
२,	णमोकार मंत्र ...	१	१९,	चौबीस कामदेव...	९
३,	णमोकारमंत्रकामहात्म्य	१	२०,	चौदह कुलकर ...	९
४,	पञ्च परमेष्ठियों के नाम	१	२१,	बारह प्रसिद्ध पुरुषों के नाम ...	९
५,	वर्तमान चौबीसी	२	२२,	सिद्धक्षेत्रों के नाम	१०
६,	चौबीसतीर्थंकरों के शरीर का वर्ण ...	६	२३,	चौदह गुणस्थान...	१०
७,	चौबीस तीर्थंकरों के निर्वाण क्षेत्र ...	६	२४,	श्रावकके २१ उत्तरगुण	१०
८,	पांचतीर्थंकर बाल-ब्रह्मचारी ...	६	२५,	श्रावककी ५३ क्रियायें	११
९,	तीन तीर्थंकर तीन पदवीधारी ...	६	२६,	ग्यारहप्रतिमाओं का सामान्य स्वरूप	१३
१०,	महा विदेह क्षेत्र के बीस विद्यमान तीर्थंकर ...	६	२७,	श्रावक के १७ नियम	१५
११,	चौबीसअतीततीर्थंकर	७	२८,	सप्तव्यसनका त्याग	१६
१२,	चौबीस अनागत तीर्थंकर ...	७	२९,	बाईसअभक्षकात्याग	१६
१३,	बारह चक्रवर्ती ...	७	३०,	श्रावककेनित्यषट्कर्म	१७
१४,	नव नारायण ...	८	३१,	सामायिकपाठ(भाषा)	१७
१५,	नव प्रति नारायण .	८	३२,	सामयिकपाठ (संस्कृत) ...	२२
१६,	नव बलभद्र ...	८	३३,	दर्शन पाठ	२५
१७,	नव नारद ...	८	३४,	दौलतरामकृतस्तुति	२९
			३५,	दर्शन पचीसी ...	३०
			३६,	शान्तिनाथाष्टकस्तोत्र	३३
			३७,	महावीराष्टक स्तोत्र	३४
			३८,	प्रातःकाल की स्तुति	३५

नं०	नाम	पृष्ठ
३९,	समाधिमरण (कविद्यानतरायकृत)	३६
४०,	बारहभावना (भूधरदासजी कृत)	३८
४१,	सायंकालकी स्तुति	३९
४२,	प्रभाती-संग्रह	४०
४३,	स्तोत्र(द्यानतरायकृत)	४१
४४,	वैराग्य भावना ...	४२
४५,	समाधिमरण (पं०सूरचन्द्रजी कृत)	४५
४६,	जिनवाणीकीस्तुति	५३
४७,	नामावलीस्तोत्र...	५४
४८,	मेरी भावना (पं०जुग-लकिशोरजीकृत)...	५५
४९,	इष्ट छत्तीसी ...	५७
५०,	भक्तामरस्तोत्रसंस्कृत	६६
५१,	हिन्दी भक्तामर(पं० गिरिधरशर्माजी कृत)	७१
५२,	आलोचना पाठ...	७६
५३,	निर्वाणकाण्ड(भाषा)	७९
५४,	निर्वाणकाण्ड गाथा (संस्कृत)...	८१
५५,	पंच कल्याणक पाठ	८२
५६,	छहढाला ... (पं० दौलतरामजी कृत)	९१
५७,	जिन सहस्रनाम स्तोत्र	१०३
५८,	तत्वार्थ सूत्रम् ...	११२
५९,	लघु अभिषेक पाठ	१२४
६०,	विनय पाठ ...	१२८
६१,	देवशास्त्र गुरु-पूजा	१३०
६२,	देवशास्त्र गुरु-पूजा (भाषा) ...	१४४
६३,	बीसतीर्थंकर पूजा (भाषा) ...	१४९
६४,	विद्यमान बीस तीर्थ-करों का अर्घ ...	१५३
६५,	अकृत्रिम चैत्यालयों का अर्घ ...	१५३
६६,	सिद्ध पूजा ...	१५५
६७,	सिद्ध पूजा भवाष्टक	१६०
६८,	सोलहकारणकाअर्घ	१६१
६९,	दशलक्षणधर्मकाअर्घ	१६१
७०,	रत्नत्रय का अर्घ	१६१
७१,	बीस तीर्थंकर पूजा की अचरी ...	१६१
७२,	सिद्ध पूजा की अचरी	१६३
७३,	समुच्चय चौवसी पूजा	१६४
७४,	सप्त ऋषि पूजा ...	१६७
७५,	सोलह कारण पूजा	१७१
७६,	दश लक्षण धर्म पूजा	१७४

नं०	नाम	पृष्ठ
७७,	स्वयंभू स्तोत्र ...	१८०
७८,	पंच मेरु पूजा ...	१८२
७९,	रत्नत्रय पूजा ...	१८५
८०,	दर्शन पूजा ...	१८७
८१,	ज्ञान पूजा ...	१८८
८२,	चारित्र पूजा ...	१९१
८३,	न्यामत कृत गजल	१९२
८४,	नन्दीश्वर पूजा ...	१९३
८५,	निर्वाणक्षेत्र पूजा	१९६
८६,	अकृत्रिम चैत्यालय पूजा ...	१९९
८७,	देव पूजा ...	२०५
८८,	सरस्वती पूजा ...	२०६
८९,	गुरु पूजा ...	२१२
९०,	मक्शी पार्श्वनाथ पूजा	२१५
९१,	श्री गिरिनार क्षेत्र पूजा ...	२१६
९२,	सोनागिरि पूजा ...	२२५
९३,	रविव्रत पूजा ...	२३०
९४,	पावापुर सिद्ध क्षेत्र पूजा ...	२३३
९५,	चंपापुर सिद्ध क्षेत्र पूजा ...	२३५
९६,	लघुपंच परमेष्ठी विधान ...	२३८
९७,	सम्मेदशिखरविधान	२५१
९८,	दीप मालिका विधान	२६३
९९,	धारें संस्कृत ...	२६८
१००,	जन्म कल्याणकपूजा	२७०
१०१,	फूलमाल पच्चीसी	२७५
१०२,	तारंगाजीक्षेत्र पूजा	२७८
१०३,	देव शास्त्र गुरुपूजा की अचरी ...	२८१
१०४,	शन्ति पाठ ...	२८२
१०५,	विसर्जनम् ...	२८४
१०६,	बुधजनकृत स्तुति	२८४
१०७,	सुप्रभात स्तोत्रम	२८५
१०८,	दृष्टाष्टक स्तोत्रम्	२८७
१०९,	अष्टाष्टक स्तोत्रम्	२८८
११०,	सूतक निर्णय ...	२८८
१११,	दुःख हरण विनती	२९०
११२,	नेमिनाथ जी का बारह मासा ...	२९२
११३,	बारहमासी राजुल की ...	२९४
११४,	विनती भूधरदास कृत ...	२९५
११५,	निशि भोजन कथा	२९६
११६,	फुटकर गायन ...	२९८
११७,	गजल-दादरा	२९९

नं०	नाम	पृष्ठ	नं०	नाम	पृष्ठ
११८,	पूजा का महात्म्य	३००	१२२,	जिनवाणीकीस्तुति	३०६
११९,	रसिया ...	३००	१२३,	भोजनोंकीप्रार्थनाएं	३०७
१२०,	विनतीभूदरदासकृत	३०१	१२४,	मिथ्यातका फल	३०८
१२१,	दश धर्म के भजन	३०१			

ॐनमः सिद्धेभ्यः ।

ॐकारं विन्दुसंयुक्तं नित्यं ध्यायंति योगिनः ।
कामदं मोक्षदं चैव ॐकाराय नमो नमः ॥ १ ॥
अविरलशब्दघनौघप्रक्षालितसकलभूतलकलंका ।
मुनिभिरुपासिततीर्था सरस्वती हरतु नो दुरितम् ॥
अज्ञानतिमिरांधानां ज्ञानांजनशलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ३ ॥
परमगुरुवे नमः परम्पराचार्य्यश्रीगुरुवे नमः ।

सकलकलुषविध्वंसकं श्रेयसां परिवर्द्धकं धर्म्मसंवन्धकं भव्यजीवमनःप्रतिवोधकारकमिदं शास्त्रं श्री नाम धेयं......(ग्रन्थ का नाम लेवे) एतन्मूलग्रंथकर्त्तारः श्रीसर्वज्ञदेवास्तदुत्तरग्रंथकर्त्तारः श्रीगणधरदेवास्तेषां वचोनुसारतामासाद्य श्री......(ग्रन्थकर्ता का नाम लेवे) विरचितम् ।

मंगलं भगवान् वीरो मंगलं गौतमो गणी ।
मंगलं कुंदकुंदाद्यो जैनधर्मोस्तु मंगलम् ॥
वक्तरः श्रोतारश्च सावधानतया शृण्वन्तु ॥